PE-16070601064100 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. VI) (CBCS) Examination

March / April – 2020

Hindi : Core-22

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ निबंध के उद्‌भव–विकास पर प्रकाश डालिए । १५

अथवा

१ साहित्यकारों के दायित्व की विस्तृत चर्चा कीजिए । १५

२ हजारीप्रसाद द्विवेदीजी का संक्षिप्त जीवन–परिचय देते हुए उनके साहित्य की विस्तृत चर्चा कीजिए । १५

अथवा

२ 'आपने मेरी रचना पढ़ी ?' निबंध में व्यक्त व्यंग्य पर प्रकाश डालिए । १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : १५

(१) ''वह महादेव के मन में क्षोभ पैदा करता था, मर्यादा पुरुषोत्तम के चित में सीता का भ्रम पैदा करना था और मनोजन्मा देवता के एक इशारे पर कंधे पर से ही फूट उठता था ।''

(२) ''यह मत सोचिए कि हम दुनिया के एक कोने में पड़े हुए ऐसी भाषा के साहित्यिक है, जो भारतवर्ष की चहार–दीवारी के बाहर समझी ही नहीं जाती । इसलिए हमारे प्रयत्न से दुनिया की मदगर्वित राष्ट्रनीति में कोई अन्तर नहीं पड़ेगा । मैं कहना चाहता हूँ कि आज हम यह भूल जाएँ कि हिन्दी दुर्बलों की दुर्बल भाषा है । वह संसार की अत्यन्त शक्तिशाली भाषाओं में से एक है ।''

(३) ''साहित्य से सम्बन्ध रखने वाले जीव पाँच प्रकार के है – लेखक, पाठक, संपादक, प्रकाशक और आलोचक । सबके क्षेत्र अलग–अलग है । पढ़ ने वाला आलोचना नहीं करता, आलोचना करने वाला पढ़ता नहीं ।''

(४) ''भगवान को साक्षी करके अदालतों में जितना झूठ बोला जाता है, उतना भगवान की पीठ पीछे नहीं । आदमी जितना ढीठ हो गया है, सत्यनारायण उतना ही उदार । धर्म अच्छे को डरपोक और बुरे को निडर बनाने लगा है ।''

(५) ''चश्मदीद गवाह किसे कहते हैं, जानते हो ? चश्मदीद वह नहीं है, जो देखे – बल्कि वह है जो कहे कि मैंने देखा ।''

४ व्यंग्य की परिभाषा देकर व्यंग्य के स्वरूप पर प्रकाश डालिए । १५

अथवा

४ 'एक काना एक ऐंचकताना' में लेखक ने हमारी कानुन व्यवस्था पर करारा व्यंग्य किया है – समझाइए । १५

५ निबंध की विशेषताएँ । १०

अथवा

५ हरिशंकर परसाईजी का साहित्यिक परिचय । १०